भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2654
उत्तर देने की तारीख 17.03.2025

भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देना

2654. श्रीमती मंजू शर्मा :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विदेशों में भारतीय लोक कला और संस्कृति को बढ़ावा देने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(घ) लोक कलाकारों की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए दिए जा रहे प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने और भारत की वैश्विक छवि को संवर्धित करने के लिए 'वैश्विक भागीदारी स्कीम' कार्यान्वित की जाती है।

इस स्कीम के मुख्य उद्देश्यों में विदेशों के साथ सांस्कृतिक संबंध मजबूत करना, द्विपक्षीय सांस्कृतिक संपर्कों को बढ़ावा देना, विश्व मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाना और इनबाउंड पर्यटन को प्रोत्साहित करना शामिल हैं।

वैश्विक भागीदारी स्कीम का संचालन विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के माध्यम से किया जाता है ताकि निम्नलिखित घटकों के माध्यम से इसके उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके:

I) भारत महोत्सव:

भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर तले विदेश में प्रदर्शन करने का अवसर दिया जाता है। लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और कठपुतली कला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रयोगात्मक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि सहित लोक कलाओं जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकार विदेश में 'भारत महोत्सव' में प्रदर्शन करते हैं।

II) **भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान:** भारत और संबंधित विदेश के बीच घनिष्ठ मैत्री और सांस्कृतिक संपर्क को बढ़ावा देने के प्रयोजनार्थ हमारे भारतीय मिशनों के माध्यम से विदेशों में सक्रिय रूप से कार्यरत भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान जारी किया जाता है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अधीन एक स्वायत्त संगठन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) विदेशों में स्थित अपने सांस्कृतिक केंद्रों और मिशनों/पोस्टों के माध्यम से विश्व भर में भारतीय संस्कृति (लोक कलाओं और संस्कृति सहित) को बढ़ावा देता है। उनके द्वारा संचालित कार्यकलापों में अन्य बातों के साथ-साथ योग, नृत्य, संगीत (गायन और वाद्य), संस्कृत और हिंदी का शिक्षण; भारतीय संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन/सहयोग करना; विदेशी विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन पीठों की सहायता करना; महात्मा गांधी और अन्य प्रख्यात राष्ट्रीय हस्तियों की आवक्ष प्रतिमाओं/मूर्तियों को भेंट स्वरूप प्रदान करना, दृश्य कला प्रदर्शनियों का आदान-प्रदान करना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और भारतीय पर्वों को मनाना, विभिन्न आगंतुक कार्यक्रमों (शैक्षणिक/प्रतिष्ठित/महत्वपूर्ण/जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क) के तहत आगंतुकों की मेजबानी करना और विभिन्न छात्रवृत्ति स्कीमों के अंतर्गत विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां प्रायोजित करना शामिल है।

आईसीसीआर ने संस्कृति को विदेश में बढ़ावा देने और विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने हेतु विभिन्न देशों की सरकारों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं। आईसीसीआर आने वाली विदेशी सांस्कृतिक मंडलियों की मेजबानी भी करता है ताकि भारतीयों को अलग-अलग देशों की संस्कृतियों के बारे में अवगत कराया जा सके।

(घ): संस्कृति मंत्रालय ने विभिन्न कला रूपों के अंतर्गत 627 कलाकारों/समूहों को पैनलबद्ध किया है और विदेशों में भारत महोत्सवों में प्रदर्शन करने के लिए इस पैनलबद्ध सूची से कलाकारों का चयन किया जाता है। लोक कलाकारों को भारत महोत्सव में प्रत्येक प्रस्तुति के लिए 35,000/- रुपए (प्रनेता/मुख्य कलाकार को) और 7000/- रुपए (साथ आने वाले कलाकार को) की दर से प्रदर्शन शुल्क का भुगतान किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, संस्कृति मंत्रालय 'वयोवृद्ध कलाकारों के लिए वित्तीय सहायता' नामक स्कीम संचालित करता है, जिसका उद्देश्य 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के उन वयोवृद्ध और अभावग्रस्त कलाकारों को सहायता प्रदान करना है जिन्होंने लोक कला सहित कलाओं, साहित्य के अपने विशिष्ट क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है या अभी भी योगदान दे रहे हैं। इस स्कीम के अंतर्गत चयनित कलाकारों को राज्य कलाकार पेंशन की राशि, यदि कोई हो, को समायोजित करने के पश्चात अधिकतम 6000/- रुपए प्रति माह तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*****